नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 18.01.2019

प्रकाशनार्थ

वर्तमान दौर युवाओं का है। विश्व के समस्त देश युवाओं को एक मूल्यवान सम्पत्ति के रूप में देख रहे हैं क्योंकि युवा सृजनशीलता तथा उत्पादकता का वर्ग है। प्रत्येक देश की प्रगति में युवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसी परिस्थिति में युवाओं के व्यवहार व जीवन शैली को समझना नितान्त आवश्यक है। यद्यपि भारत वर्ष युवाओं का देश है तथापि देश प्रगति करने के बजाय समस्याओं का गढ़ बन कर रह गया है। इसका मूल कारण युवाओं की जीवन शैली में होने वाला परिवर्तन है, जो उनकी चिन्तन क्षमता व व्यवहार कौशल को नकारात्मक ढंग से प्रभावित कर रहा है। तकनीक का अत्यधिक प्रयोग व उन पर आश्रित रहने की तीव्र प्रवृत्ति न केवल युवाओं के सृजनात्मक चिन्तन को बाधित कर रही है बल्कि उनके उत्पादक कार्यों से विमुख कर समाज विरोधी गतिविधियों की ओर भी ले जा रही है। उपर्युक्त बातें महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़ में मनोविज्ञान विभाग द्वारा **"YOUTHS LIFESTYLE AND IT'S IMPACT ON CREATIVITY"** विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में सेण्ट जोसेफ कॉलेज फॉर वूमेन, सिविल लाइन्स, गोरखपुर की मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. हिमांशु पाण्डेय** ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करने हुए कहीं।

उन्होंने आगे कहा कि देश के युवाओं को एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए तकनीक को अनुशासित शिक्षक तथा स्वयं को जिज्ञासु शिष्य की भाँति व्यवहार करना होगा तभी युवा सृजानात्मक चिन्तन कर सकेगा तथा देश की प्रगति में अपना सहयोग दे सकेगा।

कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय** ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी **डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र** ने किया। आज ही मनोविज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के कुल **27** छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायक के रूप में डॉ. हिमांशु पाण्डेय, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र तथा डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय रहे। विजयी प्रतिभागियों में **प्रथम स्थान** पर **बी.एस–सी. तृतीय वर्ष** की **सुश्री रीतू सिंह**, **द्वितीय स्थान** पर **बी.एस–सी. प्रथम वर्ष** की **सुश्री फरहीन खातून**, **तृतीय स्थान** पर **बी.ए. द्वितीय वर्ष** की **सुश्री श्वेता गिरी** तथा **सांत्वना पुरस्कार बी.ए. प्रथम वर्ष** के **श्री नवरतन चौहान** ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अन्त मे मुख्य अतिथि **डॉ. हिमांशु पाण्डेय** ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत एक अन्य कार्यक्रम मे सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित गायन प्रतियोगिता की संयोजिका **सुश्री दीप्ती गुप्ता** ने कहा कि संगीत हजारों सालों से हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। संगीत एक थैरेपी की तरह है, जिसका उपयोग अनेक बिमारियों के इलाज के रुप में किया जा रहा है। गायन प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभा का परिचय दिया जिसमें **बी.ए. प्रथम वर्ष** के **सर्वेश्वर कांत चन्द** ने **प्रथम**, **बी.एड. प्रथम वर्ष** की **वर्षा जायसवाल** तथा **बी.एड. द्वितीय वर्ष** की **ज्योति सिंह राजपूत** ने संयुक्त रूप से **द्वितीय** स्थान प्राप्त किया जबकि **बी.ए. प्रथम वर्ष** के **बलिराम रौनियार** व **विराट कन्नौजिया** ने **तृतीय** स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में सुश्री श्वेता चौबे, डॉ. सौरभ कुमार सिंह, श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री रचना सिंह, सुश्री ललिता, सुश्री अम्बिका, सुश्री वन्दना, सुश्री आराधना, सुश्री मनीषा, सुश्री माधुरी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी